सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

पीएच. डी. (हिंदी) अध्ययन कार्यप्रणाली (Course work)

पाठ्यक्रम

(w.e.f. June २०११)

प्रस्तावना :

हिंदी पीएच. डी. (Ph.D) पाठ्यक्रम अध्ययन कार्यप्रणाली (Course work) पाठ्यक्रम पीएच. डी. के छात्रों के लिए परिवर्तित नियमानुसार प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात अध्ययन कार्यप्रणाली (Course work) को पूरा करना अनिवार्य है। ' अध्ययन कार्यप्रणाली (Course work) के लिए जुलाई, २०११ से निम्नलिखित पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस पाठ्यक्रम में ऐसे विषयों का समावेश किया गया है, जो शोधकार्य के लिए मार्गदर्शक सिध्द हो।

पाठ्य विषय :

इस पाठ्यक्रम में चार प्रश्नपत्र रखे हैं। हर एक प्रश्नपत्र कुल १०० अंकों का है। प्रश्नपत्र क्र. - ४ वैकल्पिक है, शोधार्थी को अपने शोध - विषय से संबंधित निम्न में सें किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना है। हिंदी साहित्य विधा - (अ) हिंदी काव्य (आ) हिंदी कथा साहित्य (इ) हिंदी एकांकी एवं नाटक साहित्य। अतः सम्पूर्ण परीक्षा ४०० अंकों की होगी।

प्रश्न पत्र - २

हिंदी साहित्य : नये प्रवाह

उद्देश्य :

(१) हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचय कराना।

(२) हिंदी साहित्य से संबंधित विभिन्न मतवादों से परिचित कराना।

(३) राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी के योगदान को समझाना।

(४) उत्तर शती के विभिन्न साहित्यिक विमर्श से छात्रों को अवगत कराना।

(५) वैचारिक दृष्टि से साहित्य के मूल्यांकन के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।

पाठ्य विषय :

क) भारतीय हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि :

(१) विचारधारा और साहित्य।

(२) वैदिक दर्शन, चार्वाक दर्शन, जैन दर्शन, बौध्द दर्शन, इस्लाम दर्शन।

(३) आधुनिक युग के वैचारिक आंदोलन - स्वतंत्रता आंदोलन, सत्यशोधक समाज, आर्य समाज, ईसाई मशनरी।

ख) आधुनिक युग :

(१) आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति।

(२) राष्ट्रीयता और अंतरराष्ट्रीयता।

(३) पुनरजागरण, पुनरूत्थान और हिंदी लोकजागरण।

ग) हिंदी साहित्य के विशिष्ट मतवाद :

गांधीवाद, मार्क्सवाद, अम्बेडकरवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्त्ववाद, अंतःश्चेतनावाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

घ) उत्तर शतीः विविध साहित्य विमर्श :

(१) मंडल आयोग और जनजागरण

(२) दलित विमर्श

(३) आदिवासी विमर्श

(४) स्त्री विमर्श

(५) घुमंतू जातियों का जागरण

संदर्भ - ग्रंथ सूची :

(१) हिंदी साहित्य और स्वाधीनता संघर्ष - डॉ. धर्मपाल सरीन
(२) हिंदी साहित्य में प्रतिबिंबित चिंतन प्रवाह - डॉ. सुधाकर गोकाककर
(३) हिंदी साहित्य का दार्शनिक परिपार्श्व - भगत, जोशी, पाटील
(४) अस्तित्ववाद और साहित्य - डॉ. श्यामसुंदर मिश्र
(५) हिंदी साहित्येतिहासः परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिध्दांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
(६) साहित्य, समाज, संस्कृति - डॉ. गिरधर राठी
(७) हिंदी साहित्य में दलित चेतना - आनंद वास्कर
(८) स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
(९) स्त्री अस्मिता, साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
(१०) वर्तमान के दर्पण में हिंदी साहित्य - डॉ. इन्द्रपाल सिंह
(११) हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास - डॉ. राजनारायण सिंह
(१२) समीक्षा संदर्भ और दिशाएँ - डॉ. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
(१३) वर्ग, विचारधारा और समाज - सं. एन. के मेहता
(१४) हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
(१५) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे
(१६) उत्तर आधुनिकतावाद - सुधीश पचौरी
(१७) उत्तरशती चिंतन वीथियाँ - डॉ. सुरेश महेश्वरी, नागनाथ कुंटे
(१८) हिंदी आलोचना : इतिहास और सिध्दांत - योगेंद्र प्रताप सिंह
(१९) भाषा का समाजशास्त्र - डॉ. राजेंद्रप्रसाद सिंह
(२०) भाषा और समाज - डॉ. रामविलाश शर्मा
(२१) मानव मूल्य और साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती
(२२) साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पांडेय

(२३) साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेंद्र
(२४) पाश्चात्य समीक्षा : इतिहास सिद्धांत - डॉ. भगीरथ मिश्र
(२५) भारतीय साहित्य में विविध वाद - डॉ. रामविलास शर्मा
(२६) हिंदी साहित्य में विविध वाद - प्रेमनारायण शुक्ल
(२७) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील
(२८) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
(२९) आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन - एम. एन. श्रीनिवास
(३०) दलित साहित्यः संदर्भ और प्रकृति - **डॉ. संजय नवले, डॉ. गिरीश काशिद**
(३१) आधुनिकता और उपनिवेश - कृष्ण मोहन
(३२) अस्तित्त्ववाद से गांधीवाद तक - मस्तराम कपूर
(३३) हिंदी आलोचना का सैध्दांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल

पत्रिकाएँ :

(१) हंस

(२) समयांतर

(३) युद्धरत आम आदमी

(४) बयान

(५) आलोचना

प्रश्नपत्र - ३

हिंदी साहित्य: आलोचना के नये आयाम

उद्देश्य :

(१) हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास का अध्ययन करना। साथ ही आलोचना के मानदंडों को देखना अपेक्षित है।

(२) शोधार्थी को आलोचना के प्रति रुचि निर्माण करना।

(३) आलोचना और अनुसंधान में शोध-दृष्टि का विकास करना।

पाठ्य विषय :

क) आलोचना की पृष्ठभूमि -

(१) परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति ।

(२) साहित्य और आलोचना ।

(३) हिंदी आलोचना की परम्परा - आ. शुक्ल, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, आ. नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेंद्र, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय,सुमन राजे, रमणिका गुप्ता, डॉ. एन. सिंह ।

ख) आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ-

(१)समाजशास्त्रीय आलोचना

(२) मार्क्सवादी आलोचना

(३)मनोविश्लेषणवादी आलोचना

(४)शैलीवैज्ञानिक आलोचना

ग) साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन :

(१) साहित्य का समाजशास्त्र

(२) इतिहास दर्शन

(३) मनोवैज्ञानिक अध्ययन

(४) सांस्कृतिक अध्ययन

(५) भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

(६) भाषा प्रौद्योगिकी

(७) साहित्य का वैज्ञानिक बोध

(८) अर्थनीति का साहित्य पर प्रभाव

घ) हिंदी साहित्य की नयी संकल्पना :

(१) आंचलिकता

(२) महानगरीय बोध

(३) ग्रामबोध

(४) भूमंडलीकरण

(५) नवभांडवलदार (नवउपभोक्तावाद)

ङ.) तुलनात्मक अध्ययन :

(१) परिभाषा एवं स्वरुप ।

(२) तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि : कृति और साहित्यकार के संदर्भ में,

युग, दर्शन, साहित्य विधा, भाषा, वैचारिक दृष्टिकोण आदि का तुलनात्मक अध्ययन।

संदर्भ - ग्रंथ सूची :

(१) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

(२) आधुनिक हिंदी: विविध आयाम - कृष्णकुमार गोस्वामी

(३) साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - डॉ. मैनेजर पाण्डेय

(४) हिंदी आलोचना के आधारस्तंभ - संपादक - रामेश्वरलाल खंडेलवाल

(५) हिंदी का साहित्यशास्त्र - संपादक - नंदकिशोर नवल

(६) साहित्य संस्कृति और भूमंडलिकरण - डॉ. भालचंद्र नेमाडे,
अनुवादक - डॉ. गिरीश काशिद

(७) जागतिकीकरणाचे अरिष्ट - संपादक - उत्तम कांबळे

(८) आलोचना का द्वन्द्व - देवीशंकर अवस्थी

(९) आलोचना की सामाजिकता - मैनेजर पाण्डेय

(१०) आलोचना और संस्कृति - अजय तिवारी

विशेष सूचना

१) किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

२) सभी प्रश्नों को समान अंक है।

प्रश्नपत्र - ४

हिंदी साहित्य विधा

❖ प्रश्नपत्र क्र. ४ वैकल्पिक है। शोधार्थी को अपने शोध - विषय से संबंधित विषय का चयन करना है।

अ) हिंदी काव्य

क) काव्य

(१) काव्य : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व।

(२) काव्य के प्रकार - प्रबंध, मुक्तक।

(३) काव्य का कलापक्ष, भावपक्ष।

ख) अध्यनार्थ रचनाएँ -

(१)	गूँगा नहीं था मैं	-	डॉ. जयप्रकाश कर्दम
(२)	भूमिजा	-	नागार्जुन
(३)	निराला की लम्बी कविताएँ	-	राम की शक्तिपूजा,कुकुरमुत्ता, सरोजस्मृति, तुलसीदास ।
(४)	अंधेरे में	-	मुक्तिबोध

संदर्भ - ग्रंथ सूची :

(१) हिंदी की चुनी हुई लम्बी कविताओं पर बातचीत - डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह

(२) दलित अभिव्यक्ति, संवाद और प्रतिवाद - डॉ. कर्दम का साहित्य - रूपचंद गौतम

(३) साहित्यालोचन - डॉ. श्यामसुंदर दास

(४) कविता और संवेदना - असाध्य वीणा से अंधेरे में तक - विजय बहादुर सिंह

(५) लम्बी कविता : काव्य सौंदर्य - डॉ. सोमाभाई पटेल

(६) मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब - चंचल चौहान

(७) नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध - विद्या सिन्हा

आ) हिंदी कथा साहित्य

क) कथा साहित्य

(१) उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप, तत्व, प्रकार।

(२) उपन्यास साहित्य आंदोलन ।

(३) कहानी : परिभाषा, स्वरूप, तत्व, प्रकार।

(४) कहानी साहित्य आंदोलन ।

ख) अध्ययनार्थ रचनाएँ (उपन्यास)

(१) सेवासदन - प्रेमचंद

(२) कगार की आग - हिमांशु जोशी
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

(३) लौटे हुए मुसाफिर - कमलेश्वर

काहानी संग्रह :

(४) टूटते वहम - सुशिला टाकभौरे

(५) मेरी तेरह प्रतिनिधि कहानियाँ - विवेकी राय

(६) ललमनियॉ तथा अन्य कहानियाँ - मैत्रेयी पुष्पा

संदर्भ ग्रंथ सूची :

(१) हिंदी उपन्यासः विविध आयाम - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

(२) हिंदी उपन्यास में चित्रित वेश्या जीवन - डॉ. मारूती शिंदे

(३) प्रेमचंद के उपन्यासों में सांस्कृतिक जीवन - नित्यानंद पटेल

(४) हिमांशु जोशी का कथा साहित्य - डॉ. अनिल साळुंके

(५) मैत्रेयी पुष्पा के साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - डॉ. व्यंकट पाटील

(६) प्रतिनिधि हिंदी उपन्यास - संपादक - नामवर सिंह

(७) हिंदी कथा साहित्य के सौ बरस - संपादक -विभूतिनारायण राय

(८) माटी की महक (विवेकी राय) - संपादक - सत्यकाम

इ) हिंदी नाटक, एकांकी साहित्य :

क) नाटक, एकांकी साहित्य

(१) नाटक - (१) उद्‌भव एवं विकास ।

(२) परिभाषा, तत्त्व, प्रकार।

(२)एकांकी - (१) उद्‌भव एवं विकास ।

(२) परिभाषा, तत्त्व, प्रकार।

ख) अध्ययनार्थ रचनाएँ :

नाटक :

१) लहरों के राजहंस - मोहन राकेश

२) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक - सुरेन्द्र वर्मा

३) अंभग गाथा - नरेंद्र मोहन

४) हैलो कॉमरेड - मोहनदास नैमिशराय

एकांकी :

५) सात एकांकी - डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित

(अमन प्रकाशन, कानपुर)

६) एकांकी नये - पुराने - डॉ. माया सिंह

(जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

संदर्भ ग्रंथ सूची :

(१) हिंदी नाटक कोश - डॉ. दशरथ ओझा

(२) रंगशिल्पी मोहन राकेश - डॉ. नरनारायण राय

(३) मोहन राकेश का नाट्य - शिल्पः प्रेरणा एवं स्त्रोत - डॉ. राजेश्वर प्रसाद सिंह

(४) आधुनिक हिंदी नाटक - चरित्र सृष्टि के आयाम - डॉ. लक्ष्मीराय

(५) आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना - डॉ. वीणा गौतम

(६) समकालीन हिंदी नाटक - डॉ. सुंदरलाल कथुरिया

(७) आधुनिक हिंदी नाटकों में संघर्ष तत्त्व - डॉ. ज्ञानराज गायकवाड

(८) नाटकीय शब्द - गुरुचरण सिंह

(९) स्वातंत्रोत्तर हिंदी नाटक - डॉ. देविदास इंगळे

(१०) स्वातंत्रोत्तर हिंदी नाटक - डॉ. राणू कदम

(११) सुरेंद्र वर्मा के नाटकों में स्त्री - पुरूष संबंध - डॉ. नानासाहेब गायकवाड

(१२) नाटककार नरेंद्र मोहन - डॉ. शिवाजी देवरे

(१३) नरेंद्र मोहन का नाटकीय संसार - डॉ. राजू शेख

(१४) नरेंद्र मोहन का नाटक : अंभग गाथा के विशेष संदर्भ में - डॉ. राजू शेख

Ph.D. (Course Work) Nature of Question Paper Pattern

- Ph.D. कोर्सवर्कसाठी फक्त Long Answer व Short Answer असेच प्रश्न असतील.
- Ph.D. (Course work) प्रश्नपत्रिकेत कोणताही External Option व Objective प्रश्न असणार नाहीत.
- एकूण प्रश्न - ५ x गुण २० = १०० गुण
- प्रश्न क्रमांक १ ते ५
- (A) दिर्घोत्तरी प्रश्न (१० गुण)

  (B) Answer Any two out of three (प्रत्येकी ५ गुण)

या प्रश्नपत्रिकेच्या स्वरुपामुळे Internal Option हा २५% राहतो.